मध्यप्रदेश

एड्स टाइम्स

कार्यालयीन उपयोग हेतु
निःशुल्क वितरण

एनएसीपी–III
वर्ष–2010–11
अप्रैल से सितम्बर (संयुक्तांक)

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण अमिति

MPSACS

संपादक मण्डल

संपादक
डॉ. मनोहर अगनानी
परियोजना संचालक एवं
मिशन संचालक एन.आर.एच.एम.

कार्यकारी संपादक
सविता ठाकुर
संयुक्त संचालक, आई.ई.सी.

सहायक संपादक
पूर्णिमा दुबे
सहायक संचालक
(प्रकाशन एवं दस्तावेजीकरण)
दीपक सरकार
(सलाहकार, युवा मामले)
विजय शर्मा
प्रशिक्षण एवं संचार
सलाहकार, यूनिसेफ

प्रकाशन सामग्री सहयोग
डॉ. यू.सी. यादव
(संयुक्त संचालक, रक्त सुरक्षा)
डॉ. रचना दुबे
(उप संचालक, एस.टी.आई.)
प्रशांत मलैया
(उप संचालक, सीसीसी)
रजी फ़राज
(सहायक संचालक, आईसीटीसी)
मोनल सिंह
(सलाहकार स्वैच्छिक रक्तदान)
सुनीला शर्मा राजा
(सलाहकार, सिविल
सोसायटी मेनस्ट्रीमिंग)
डॉ. संजय श्रीवास्तव
सलाहकार, यूनिसेफ
योगम्बर रावत
डी.ए. आईईसी

मध्यप्रदेश में रेड रिबन एक्सप्रेस ने बढ़ायी जागरूकता

मध्य प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले आमजनों, महिलाओं, छात्रों–छात्राओं एवं सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को एच.आई.वी./एड्स के प्रति गहन जानकारी देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय एड्स नियत्रंण संगठन द्वारा राजीव गांधी फांउडेशन की सहभागिता से दूसरे चरण में रेड रिबन एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। रेड रिबन एक्सप्रेस कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक एवं भव्य तरीके से सम्पन्न हुआ। यह ट्रेन 5 से 28 अगस्त, 2010 के मध्य प्रदेश राज्य के ग्यारह जिलों में पहुंची। रेड रिबन एक्सप्रेस ने रोचक प्रदर्शनी सलाह, प्रशिक्षण तथा अन्य मनोरंजक एवं सूचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से जन मानस में एड्स के प्रति व्याप्त गलत धारणाएं, आशंकाएं तथा भय को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

रेड रिबन एक्सप्रेस का मध्य प्रदेश में 28 दिनों में 1,10,342 लोगों ने ट्रेन का अवलोकन किया तो 3557 लोगों ने परामर्श तथा 1553 ने जाँच करवाई।

कुल 11 रेलवे स्टेशन

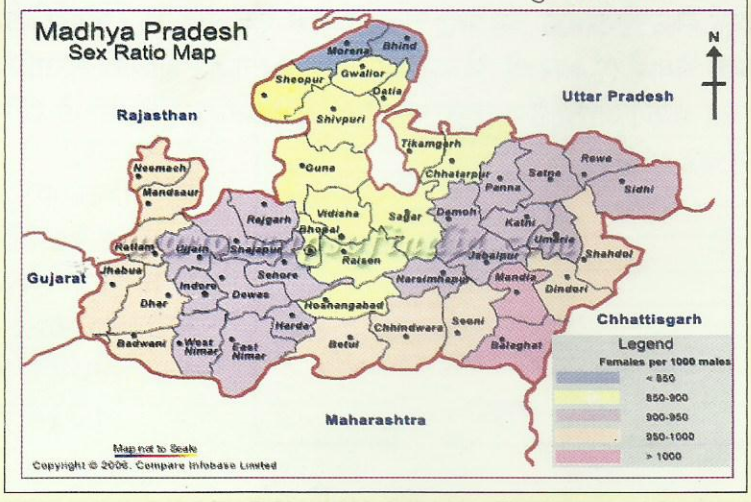

एसटीआई की जाँच करवाने में भी 744 लोग आगे आए। आउटरीच गतिविधियों के जरिये 90,153 लोगों तक जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया गया। इन लोगों के माध्यम से स्वस्थ जीवन एवं सुरक्षित

(शेष पृष्ठ क्रमांक 3 पर)

आकल्पन सहयोग – मेसर्स शाईन आफसेट प्रिंटर, भोपाल
निर्माण सहयोग – सपोर्ट फॉर इम्प्लीमेंटेशन एंड रिसर्च, लखनऊ

प्रतिक्रियाएँ

विद्यार्थियों को शामिल करें

मैं कुछ समय के लिए म.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति में अपर परियोजना संचालक पद पर पदस्थ रहा हूँ। एड्स टाइम्स में समिति के साथ पाठकों की प्रतिक्रियाओं को शामिल करना उपयोगी हो सकता है। अगर चाहें तो कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों को अतिथि संपादक बनाकर न्यूज लेटर से जोड़ा जा सकता है। दो पृष्ठ में प्रकाशित की जाने वाली सामग्री तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी जा सकती है जिसमें वह विचार रख सकें तथा विद्यार्थियों तथा समुदाय के विचार और प्रतिक्रिया दर्शा सकें।

इस कार्यक्रम को अतिथि संपादक बनाने के लिए, प्रेरित करने के लिए, विद्यार्थियों में रूचि लाने हेतु मानदेय भी दिया जा सकता है। यह एक अच्छी शुरूआत हो सकती है।

श्री राकेश मुंशी
संयुक्त संचालक (स्वास्थ्य)

जानकारी उपयोगी एवं सराहनीय

म.प्र. एड्स टाइम्स के मार्च 2010 अंक में प्रकाशित जानकारी उपयोगी एवं सराहनीय है। बधाई।

श्री एन.के. शर्मा
सचिव
इंडियन रेडक्रास सोसायटी, म.प्र.
राज्य शाखा

स्तम्भ रोचक और पठनीय

"जीना इसी का नाम है" स्तम्भ रोचक और पठनीय लगा। इस स्तम्भ के जरिये एचआईवी वायरस के साथ संघर्ष कर रहे लोगों के जीवन को प्रेरणा मिलेगी। इस स्तम्भ की प्रस्तुति के लिए बधाई।

अनुपम बोहरे, विदिशा
परामर्शदाता

Book-Post

To,

आपकी प्रतिक्रिया

एड्स टाइम्स के लिये पाठकों के लेख, कार्यक्रम/गतिविधियों के प्रतिवेदन तथा एचआईवी/एड्स संचार के क्षेत्र में आपके नवीन प्रयासों का स्वागत है।

कृपया अपने लेख हमारे कार्यालय को जरूर प्रेषित करें। एड्स टाइम्स के इस अंक पर आपके सुझाव, प्रतिक्रियाओं से भी हमें जरूर अवगत करवाएं।

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति
सूचना, शिक्षा एवं संचार शाखा
द्वितीय तल, तिलहन संघ भवन, 1, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
फोन +0755-2577629, फैक्स +0755-2556619
E-mail : mpsacs@gmail.com, Website : www.mpscsb.org